Sample

सूर्य ग्रह का प्रभाव

पाँचवें गृह के स्वामी, नवें घर में सूर्य बताता है कि आप विलक्षण व्यक्तित्व के स्वामी होंगे। आप बुद्धिमान हैं और समाज में आपका सम्मान है। संगीत, कला और ज्ञान–प्राप्ति में आपकी रुचि है। आप प्रभावशाली होंगे। अपनी बुद्धि के बल पर आप अपना भाग्य चमकाएंगे। आप धार्मिक और दूरदर्शी हैं। भाई–बहनों और पुत्रों से आपको प्रसन्नता मिलेगी। आप क्रियाशील, प्रभावशाली, ज्ञानी, दृढ़ निश्चयी, सम्मानित और न्याय प्रिय हैं। आपको आकस्मिक लाभ प्राप्त होंगे। आपके पिता का स्वास्थ्य सम्भवतः ठीक न रहे।
आप हमेशा पीठ के पीछे बुराई करते रहते रहेंगे।
आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं। आप आदर्शवादी, चरित्रवान और झगड़ों से बचने वाले व्यक्ति हैं। आप दूसरों की ओर से बीच–बचाव करेंगे। आप वार्तालाप में निपुण और एक अच्छे वाचक है। आप तेज, कुशाग्र बुद्धि वाले, अहंकारी आत्म–निर्भर व्यक्ति हैं। स्वयं द्वारा कमाई गई पूंजी शक्ति, पद, यश और राजनैतिक सफलता में वृद्धि होगी।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

चंद्र के चतुर्थेश होकर तृतीय भाव में होने के फलस्वरूप आप प्रसिद्ध होंगे। आप स्वस्थ एवं शक्तिशाली होंगे और मानसिक सुख साहसवर्द्धक होगा। अपने ओजस्वी कृत्यों से आप प्रगतिवान् रहेंगे तथा सुख – सुविधा भोगेंगे। ईश्वर में आपकी आस्था रहेगी। आप उच्चशिक्षित व्यक्ति होंगे। आपके पास अच्छे वस्त्र एवं धन–संपदा होगी। भाईयों की मदद करेंगे। भाई–बहनो से तथा माता के घर से सुख प्राप्त करेंगे।
चाचा विरोध कर सकते हैं। भाईयों से आपको बहुत लगाव होगा। बहन समृद्धिशाली रहेगी। आप अच्छा स्वास्थ्य, प्रसिद्धि एवं सुख भोगेंगे। शरीर से आप मोटे हो सकते हैं। आप अति बुद्धिमान होंगे और गूढ़ वैज्ञानिक विषयों " ज्योतिष आदि " में रुचि रहेगी। बहुत भ्रमण करेंगे और दूर–दूर जाएंगे।
चंद्र मिथुन में : आप लंबे कद एवं घुंघराले बालों वाले व्यक्ति होंगे। आपकी नाक चपटी, ताम्रवर्णी आँखें तथा समितियुक्त, पीला चेहरा होगा। आप चालाक, हाजिर जवाब, कर्मठ, पैनी बुद्धि वाले और अच्छे भोजन के प्रेमी व्यक्ति होंगे। संगीत एवं नृत्य के भी आप प्रेमी होंगे। दूसरों के मन का भाव आप फौरन ताड़ जाते हैं। प्रतिपदा, सप्तमी एवं द्वादशी तिथियाँ आपके

लिए अशुभ होंगी। वृष, सिंह, कन्या एवं तुला चंद्र राशि वाले लोग आपके मित्र होंगे। वैज्ञानिक एवं साहित्यिक कृतियों में आपकी रुचि होगी। आप भ्रमण प्रेमी होंगे। अचानक एवं अनपेक्षित धन संपत्ति मिलेगी। आपके एक से अधिक व्यवसाय होंगे। हरे नग युक्त अंगूठी आपके लिए शुभ सिद्ध होगी।

मंगल ग्रह का प्रभाव

लगन और आठवें गृह का स्वामी, पाँचवें गृह में मंगल बताता है कि आप दीर्घायु होंगे। आपकी संतान रूपवान होगी। आप बुद्धिमान, धनी और सम्मानित व्यक्ति होंगे। संतान पक्ष कुछ चिन्ताओं का योग है। आप की स्मरण शक्ति तीव्र होगी। वृद्ध व्यक्तियों की शक्ति और प्रभाव आपकी आजीविका में सहायक होंगे। अपनी बात–चीत में आप उत्सुक होते हैं। आप अपनी नीतियों को रहस्यमय ढ़ंग से क्रियान्वित करते हैं और हमेशा गंभीर वस्तुओं के बारे में बात करते रहते हैं। संतान पक्ष से हानि का योग है। दैनिक जीवन में आपका बहुत प्रभाव है। भारी खर्च करते हैं, अधिक कमाते हैं, व्यक्तिगत रूप से महत्वाकांक्षी हैं, कम संतान होगी और मन अस्थिर होगा। आप मति भ्रम से पीड़ित हो सकते हैं।
आप चिड़चिड़े हैं। आपकी माता प्रायः अस्वस्थ रहती हैं, संतान को खतरों का सामना होता है और इस प्रकार के मंगल के कारण हानि, संतान की अस्वस्थता, अप्रसन्नता बाधाएँ हो सकती हैं।
सिंह राशि में मंगल : आप अत्यंत साहसी, नियमों के पक्के, अनुग्रहशील और जरूरतमंदों की सहायता करने वाले व्यक्ति हैं। आप एक दक्ष व्यक्ति हैं।

बुध ग्रह का प्रभाव

बुध के तृतीयेश व षष्ठेश होकर नवम् भाव में स्थित होना अच्छे भाई व मित्र, उत्तम स्वास्थ्य, सम्मान, मित्रों की कृपा और विरोधियों पर प्रभाव का सूचक है। आपकी प्रवृत्ति बहुत धार्मिक नहीं है। अपनी करनी के कारण आप सम्मानित होंगे। भाग्योन्नति में बाधाएँ और परेशानियाँ झेलनी पड़ सकती हैं। भाई–बहनों से मदद मिलेगी।
आप धनी, धार्मिक दृढ़ निश्चयी, भ्रमण प्रेमी और विदेश यात्रा करने वाले व्यक्ति हैं। अपने सत्कर्मों के कारण आप प्रसिद्ध होंगे। आपको जीवन में उच्च पद प्राप्त है। जन–सम्मान प्राप्त करेंगे। आपके पिता भाग्यशाली हैं और जीवन में सुख एवं समृद्धि प्राप्त करेंगे। आपके पिता

भाग्यशाली हैं और जीवन में सुख – समृद्धि प्राप्त करेंगे। धार्मिक कृत्य करने में आप निष्णात हैं। परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ाऐंगे एवं संतान से सुख पाएंगे।
आप सहृदय एवं दानवीरता के लिए प्रसिद्ध व्यक्ति हैं जो समाज द्वारा सम्मानित हैं। आप बुद्धिमान हैं और एक अच्छे लेखक हैं।

गुरु ग्रह का प्रभाव

गुरु के नवमेश और द्वादशेश होकर पंचम भाव में स्थित होने से आप धार्मिक स्वभाव के हैं और माता पिता एवं गुरुजन की खूब सेवा करेंगे। आपकी संतान प्रभावशाली होगी और अपना नाम प्रसिद्ध करेगी। कभी कभी संतान के कारण आपको कुछ कमी महसूस हो सकती है। आप शुभ कृत्य करेंगे। आप बुद्धिजीवी होंगे और भाग्योन्नति के लिए साधन पैदा करेंगे। आप गूढ़ कल्पनाशील हैं।
आप बुद्धिमान हैं, सरकार आप पर कृपालु रहेगी। पुत्रों द्वारा लाभ प्राप्त करेंगे। शर्तें लगाने में आपको आनंद आता है। मामा से कष्ट मिल सकता है। गुरु "बृहस्पति" सूचक है पुण्यवान् कृत्यों का मान–सम्मान का उचित सलाह का प्रभुतापूर्ण स्थिति का और धन – सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी का। आप एक अच्छे विचारक हैं, वक्ता हैं और लेखक हैं। आप अपनी शिक्षा और बुद्धिमत्ता के कारण प्रसिद्ध होंगे। सरकार की आप पर कृपा रहेगी और आप प्रख्यात होंगे।
आप एक कर्तव्य परायण एवं कुशल कार्यकर्ता हैं। आप सभा – सोसाइटियों में हिस्सा लेते हैं और एक अच्छे वक्ता हैं। विरोधियों को आप बस में कर लेंगे। आप बहुत धार्मिक स्वभाव के हैं और सरकार व समाज में अच्छी प्रतिष्ठा है।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र के द्वितीयेश और सप्तमेश होकर दशम् भाव में होने के कारण आप धनी होंगे। आपके मंत्री या सलाहकार होने की सम्भावना है या व्यापार में सफल रहने की उम्मीद है। मित्रों की आप मदद करते हैं। सारी सुख सुविधाएँ भोगेंगे और कई कीमती वस्तुएँ संग्रहीत करेंगे। आप विजयी हैं और बौद्धिक कृत्यों के कारण लाभान्वित होंगे। पत्नी से आप बेहद प्यार करेंगे। पत्नी सुन्दर, धनी, विदूषी और विलास–प्रिय होगी। संतान से सुख पाएंगे। आप सहृदय व्यक्ति हैं और प्रसिद्ध होंगे। आप भाग्यशाली और सत्य–प्रिय हैं। स्त्री वर्ग का साथ अच्छा लगेगा। जीविका–दाताओं की कृपा रहेगी। पत्नी के द्वारा लाभ प्राप्त करेंगे। पारिवारिक सुख भोगेंगे।

Sample

आप बहुत चतुर और व्यवहार कुशल हैं। आपका व्यक्तित्व शानदार है। कलात्मक रुचि के कारण धनोपार्जन करेंगे।
शुक्र के दशम् भाव में होना आप की न्याय प्रियता का सूचक है। आप वासना प्रिय हैं और ज्योतिष के प्रेमी। धार्मिक विजयी एवं भाग्यशाली आप थोड़े लालची भी हैं। आप एक सहृदय संगीत प्रेमी व्यक्ति हैं। अपने सत्कर्मों एवं मित्रों द्वारा लाभान्वित होंगे। आप उच्च कोटि के विद्वान और प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। शारीरिक भोग भोगने की आपको लत होगी। पत्नी का सम्बन्ध समृद्ध खानदान से होगा। उच्च पद एवं प्रभुता प्राप्त करेंगे। शुक्र के कारण सम्पत्ति में वृद्धि वसुधा वाहनादि का सुख एवं उच्च सत्ता पूर्ण पद प्राप्त करेंगे। आपकी प्रवृत्ति धार्मिक होगी। मकर राशि गत शुक्र आपको मितव्ययी बनाता है। हृदय रोग से आप पीड़ित हो सकते हैं। सुख में कुछ कमी रहेगी और आपको हृदय रोग हो सकता है। आत्म सम्मान को आप बहुत महत्व देंगे। आप स्वभाव से गंभीर और विचारों में डूबे रहने वाले व्यक्ति हैं।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि के दशमेश एवं एकादशेश होकर छठे भाव में होने के कारण विरोधियों से आपको बहुत विरोध मिलेगा। बचपन में भी अपने कई कठिनाईयाँ झेली होंगी। परवर्ती जीवन में उच्च पद प्राप्त करेंगे। स्वभाव से आप वासना प्रिय हैं तथा एक अच्छे तार्किक हैं। राज्य परिवारों का आप विरोध करते हैं। कई स्थानों की यात्रा करेंगे। साधारणतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परंतु जब आप बीमार पड़ेंगे तो काफी दिनों तक बीमार रहेंगे और शत्रु भी आपका सम्मान करते हैं। विदेश भ्रमण करेंगे। मामा के कृपा भाजन रहेंगे।
छठे भाव का शनि ऋणों चोटों और चोरों द्वारा सम्पत्ति क्षय का द्योतक है। सरकार के कृपाभाजन रहेंगे। शनि के कारण गठिया, सीने की कमजोरी, ब्रोंकाईटिस और गले की बीमारियाँ हो सकती हैं। हरी साग–सब्जी के आप प्रेमी हैं। शनि के कारण रहस्यात्मक नीतियों के फलस्वरूप शत्रुओं को आप बस में कर लेंगे। आप अति लोकप्रिय हैं। आप प्रचुर धन सम्पदा अर्जित करेंगे और सम्मानित व्यक्ति समझे जाएंगे। आत्म प्रतिष्ठा को आप बहुत महत्व देते हैं। आप स्फूर्तिवान् साहसी, निर्भीक और निड़र हैं तथा सीमित आहारी हैं। आप कई पालतु जानवर पालेंगे। चाचा का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। सुदूर देशों की यात्रा करेंगे। आप अति वासना प्रिय हैं। सांस और गले के रोगों से आप ग्रसित हो सकते हैं। समुदाय का विरोध झेलेंगे । कई सेवक होंगे तथा सुखी परिवार का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी प्रकृति खर्चीली है। सरकार व समाज में सम्मान प्राप्त करेंगे। राजनैतिक क्षेत्रों में भी

सम्मान प्राप्त करेंगे और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आप विजयी हैं। आपका स्वभाव दबंग है। वाहनादि का सुख पाएंगे। आप परोपकारी हैं लेकिन थोड़े झगड़ालू भी। विभिन्न प्रकार के भोजनों आदि के प्रेमी हैं। आपका गर्वीला स्वभाव है और शत्रु आपके नाम से भयभीत रहेंगे। थोड़ा बहुत विरोध मिल सकता है। खूब सांसारिक भोग भोगेंगे और धन व्यय भी करेंगे। आपको उच्च सत्तावान् व्यक्तियों का कतई भय नहीं है और उनके विरोध के बावजूद व्यवसाय में प्रगति प्राप्त करेंगे।

शनि कन्या में : आप बहुत बलशाली एवं रौब – दाब वाले व्यक्ति हैं। आप धनी एवं उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। या तो आप एक अच्छे लेखक हैं या एक सुयोग्य वक्ता। दूसरों की आप सहायता करते हैं। आपका मन स्थिर है। विज्ञान के आप प्रेमी हैं।

राहु ग्रह का प्रभाव

पाँचवें गृह में राहु संकेत देता है कि आप अपार धन सम्पत्ति अर्जित करेंगे और कई देशों की यात्रा करेंगे। आप कामुक हैं और स्त्री वर्ग का साथ पसंद करते हैं। संतान के सुख में कुछ दुर्बलता है। उदर रोगों से ग्रस्त रहने की सम्भावना है। आप भाग्यशाली, दृढ़ संकल्पी दर्शनशास्त्र और शास्त्रों में रुचि रखने वाले व्यक्ति हैं। पैतृक सम्पत्ति का आनंद है। आत्म प्रतिष्ठा को अधिक महत्व देते हैं। शोधकार्यों में रुचि है। अपने शोध कार्य के लिए उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। आपके पास एक अच्छी डिग्री है। आप दलील देने में माहिर हैं। अपने व्यवसाय का संपूर्ण ज्ञान आपको प्राप्त है। राहु उच्च शक्ति व प्रतिष्ठा कामुक प्रकृति उच्च यश व आदर गर्भपात जीवन–साथी व बच्चों की अस्वस्थता का कारण है।

केतु ग्रह का प्रभाव

अपनी जटिल और युक्तिपूर्ण नीतियों से आप अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त करते हैं। आप अत्यंत प्रतापी और लोकप्रिय हैं। आकस्मिक लाभ और परियोजनाओं में सफलता मिलेगी। सत्ता व समाज में उच्च सम्मान है। आप एक कुशल राजनेता है। अपने परिश्रम से आप परियोजनाओं में सफलता प्राप्त करते हैं। आपको दाँतों का कष्ट हो सकता है।